No. of Printed Pages : 4

IBO-03

04583

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

December, 2011

IBO-03 : INDIA'S FOREIGN TRADE

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt* ***any five*** *questions. All questions carry* ***equal marks.***

1. What are Export Processing Zones and Export Oriented Units ? Describe the facilities and benefits provided to them. **6,14**

2. Describe the changes that have taken place recently in the composition and direction of India's foreign trade, what are the major problems faced by Indian exporters ? **12,8**

3. State the export prospects for Indian handicrafts and gems and jewellery in view of the various measures adopted for their promotion. **6,14**

4. "Discuss the various conventional and non-conventional services and their export potential. 20

5. Discuss the broad trends in Indo-European Union Trade in recent year. What are the problems faced by Indian exporter in this context ? Suggest measures to promote trade. 8,12

6. State the need to establish regulatory mechanism in the export sector and describe some of the important export promotion measures initiated by the Government of India to boost the national export effort. 5,15

7. Describe various products and markets for India's engineering goods export and enumerate the problems faced in their exports. 12,8

8. Write explanatory notes on ***any two*** of the following : 10,10

   (a) The Recent Policy Measures adopted for improving balance of payment situation in India.

   (b) Major Provisions of Recent Tariff Policy.

   (c) Indian - SAARC Trade and its prospects.

   (d) Foreign Investment Policy in India.

आई.बी.ओ.-03

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

आई.बी.ओ.-03 : भारत का विदेश व्यापार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***किन्हीं पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के* ***अंक समान*** *हैं।*

---

1. निर्यात प्रक्रियाकरण क्षेत्र (EPZ) तथा निर्यातोन्मुख इकाइयों (EOUs) से क्या तात्पर्य है? उन्हें प्रदान किए गए लाभ एवं सुविधाओं का वर्णन कीजिए। **6,14**

2. भारत के विदेश व्यापार की संरचना एवं दिशा में हाल में हुए परिवर्तनों का वर्णन कीजिए, तथा भारतीय निर्यातकों की मुख्य समस्याओं की व्याख्या कीजिए। **12,8**

3. भारतीय हस्तशिल्प वस्तुओं तथा रत्नों व आभूषणों के निर्यात विकास के लिए अपनाए गए विभिन्न उपायों को ध्यान में रखते हुए उनके निर्यात के संवर्धन की व्याख्या कीजिए। **6,14**

4. ''विभिन्न पारम्परिक एवं गैर-पारम्परिक सेवाओं तथा उनकी निर्यात की सम्भावनाओं का वर्णन कीजिए।'' 20

5. भारत और यूरोपियन युनियन के हाल के वर्षों में व्यापार प्रवृत्ति का वर्णन कीजिए। भारतीय निर्यातकों को इस संबंध में कौन-से समस्याओं का सामना करना पड़ता है? भारत और यूरोपियन संघ के व्यापार संवर्धन के उपायों का सुझाव दीजिए। 8,12

6. निर्यात क्षेत्र में नियामक तन्त्र स्थापित करने की आवश्यक्ता का उल्लेख कीजिए तथा राष्ट्रीय निर्यात प्रयासों में वृद्धि हेतु भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए महत्त्वपूर्ण निर्यात उपायों का वर्णन कीजिए। 5,15

7. भारत के इंजिनियरिंग सामान के निर्यात के विभिन्न उत्पादों तथा बाजारों का वर्णन कीजिए तथा उनके निर्यात में आने वाली समस्याओं का उल्लेख कीजिए। 12,8

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर व्याख्यात्मक टिप्पणियां लिखिए : 10,10

   (a) भारत में भुगतान शेष की स्थिति में सुधार हेतु अपनाए गए हाल के नीतिगत उपाय।

   (b) हाल ही में अपनायी गयी प्रशुल्क नीति की प्रमुख विशेषताएं।

   (c) भारत-सार्क व्यापार एवं इसकी संभावनाएँ

   (d) भारत में विदेशी निवेश नीति